प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14
विषय – हिन्दी विशिष्ट
कक्षा – बारहवीं
सेट–बी

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. मीरा के काव्य में .....भाव की प्रधानता है।

(दास्य / दाम्पत्य)

2. देवदारू के वृक्ष.....के वृक्ष से भी अधिक सुंदर होते हैं।

(चीड़ / बरगद)

3. साहित्य समाज का.....है।

(प्रतिबिम्ब / दर्पण)

4. भारतीय आचार्यों ने काव्य के.....भेद माने है।

(दो / पांच)

5. द्विवेदी युग के प्रवर्तक.....थे।

(हजारी प्रसाद द्विवेदी / महावीर प्रसाद द्विवेदी)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिये सही विकल्प चुनिए –

(1) काव्य में चमत्कार उत्पन्न करने के लिए प्रयोग किया जाता है –

(अ) छन्द (ब) अलंकार

(स) रस (द) शब्दगुण

(2) नैनो टेक्नॉलाजी शब्द की उत्पत्ति किस भाषा के शब्द से हुई हैं?

(अ) ग्रीक भाषा (ब) हिन्दी भाषा

(स) कन्नड़ भाषा (द) गुजराती भाषा

(3) नाव में जल भरने पर और घर में दाम भरने पर दोनों हाथों से उलीचना चाहिए यह कथन है –

(अ) तुलसीदास का (ब) रहीम का

(स) बिहारी का (द) कबीर का

(4) निम्नलिखित में से मुहावरा नहीं है –

(अ) उल्टी गंगा बहाना (ब) कल्हू का बैल

(स) जिसकी लाठी उसकी भैंस (द) धूप में बाल सफेद करना

(5) आने वाली विपत्ति का पूर्ण निश्चय होता है –

(अ) आशंका (ब) भय

(स) संभावना (द) आशा

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य छांटिए –

1. राजभाषा को ऑफिशियल लेंग्वेज कहते है।
2. विश्वनाथ के घर मेहमान बिजनौर से आए थे।
3. वात्सल्य रस को रसराज कहा गया है।
4. श्रीकृष्ण ने गोपियों को संदेश भेजा था।
5. कवि युद्ध की घड़ी में कायरों को पुकारता है।

प्रश्न 4. स्तंभ 'क' के लिए स्तंभ 'ख' से चुनकर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	**ख**
(1)	साहित्य लहरी	–	जैनेन्द्र कुमार
(2)	खेल	–	आचार्य विश्वनाथ
(3)	गाय करूणा की कविता है	–	भाषा
(4)	रसात्मकं वाक्यं काव्यं	–	महात्मा गांधी
(5)	ध्वन्यात्मक शब्दों द्वारा विचारों को प्रकट करने का माध्यम	–	सूरदास

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिए :–

1. 'आह! मेरा गोपालक देश' यह कथन किसका है?
2. फूल किसे सम्बोधित कर रहा है?
3. घर के सदस्यों द्वारा विचारों के आदान प्रदान के लिए किस भाषा का प्रयोग किया जाता है।
4. तात्या को किस गुप्त स्थान पर रखा गया था।
5. लाजवंत तुम सहज सुभाउ, निज गुन निज मुख, कहसि न काउ। इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है।

प्रश्न 6. छायावाद की दो विशेषताएं लिखिए।

अथवा

प्रगतिवाद के दो कवियों के नाम तथा उनकी एक–एक रचना के नाम सहित लिखिए।

प्रश्न 7. भारतेंदु युगीन काव्य की दो विशेषताएं लिखिए।

अथवा

द्विवेदी युगीन काव्य के दो रचनाकारों के नाम एवं उनकी एक–एक रचना के नाम लिखिए।

प्रश्न 8. विभावरी के बीतने पर उषा नागरी क्या कर रही है?

अथवा

बसंत के आगमन पर प्रकृति में क्या–क्या परिवर्तन होते है?

प्रश्न 9. मीरा बाई कैसा वेश रखना चाहती है?

अथवा

चातक को घातक क्यों कहा गया है?

प्रश्न 10. कबीर ने शब्द की क्या महिमा बतलाई है?

अथवा

केवट के अनुसार 'पगधूरि' का क्या प्रभाव है?

प्रश्न 11. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार निबंध की परिभाषा लिखिए।

अथवा

हिन्दी के उपन्यास सम्राट का नाम लिखकर उनके दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

प्रश्न 12. नाटक तथा एकांकी में दो अंतर लिखिए।

अथवा

संस्मरण तथा रेखाचित्र में दो अंतर लिखिए।

प्रश्न 13. भाड़ में धुएं का रास्ता और कुटी किस प्रकार बनाई गई?

अथवा

गजाधर बाबू के स्वभाव की दो विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 14. लेखक के अनुसार गीता का मुख्य काम क्या–क्या है?

अथवा

उत्तराखण्ड के चार धामों के नाम लिखिए।

प्रश्न 15. राष्ट्र भाषा की दो विशेषताएं बताइए।

अथवा

मध्यप्रदेश में बोली जाने वाली चार बोलियों एवं उनके क्षेत्र बताइये?

प्रश्न 16. शांत रस का एक उदाहरण लिखिए।

अथवा

विभावना अलंकार का उदाहरण लिखिए।

प्रश्न 17. मां ने रामकुमार वर्मा की पढ़ाई के संबंध में क्या निर्देश दिये?

अथवा

ग्वाले ने गाय को सुई क्यों और कैसे खिला दी?

प्रश्न 18. कवित्त छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा

महाकाव्य और खण्डकाव्य में तीन अंतर बताइये।

प्रश्न 19. किन्ही दो मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. आसमान सिर पर उठाना
2. अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना
3. कान में तेल डालना

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए।

1. आलसी व्यक्ति उन्नति नहीं कर सकता (मिश्रित वाक्य)
2. सत्य की सदा जीत होती है। (प्रश्नवाचक वाक्य)
3. मैंने वह मकान खरीदा जो मोहन का था। (साधारण वाक्य)

प्रश्न 20. महत्ता कविता में भारतवर्ष की किन–किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है?

अथवा

श्रीकृष्ण माता यशोदा से बलदाऊ की क्या–क्या शिकायत करते है?

प्रश्न 21. मानसिंह के चरित्र की कौन–कौन सी विशेषताएं आपको प्रभावित करती है?

अथवा

बुद्ध को अपने सामने देखकर यशोधरा अपनी सुध बुध क्यों खो बैठी?

प्रश्न 22. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अथवा रामनारायण उपाध्याय का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भाषा–शैली (3) साहित्य में स्थान

प्रश्न 23. केशवदास अथवा जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भावपक्ष–कलापक्ष (3) साहित्य में स्थान

प्रश्न 24. निम्नांकित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

जीवन बहुत सरल नहीं है। मेहनत और ईमानदारी ही ऊर्जा बढ़ाते हैं। लाख अंधेरा आए, लाख आपत्तियां आए, तुम यदि अपने प्रति आस्थावान, निष्ठावान रहोगे तो स्वयं प्रकाशित होकर दूसरों को भी प्रकाशित करोगे।

अथवा

हे प्रभु! आप मुझे शक्ति दो, जिससे उस वीर के खून का बदला ले सकूं। अब मुझे फिर से रणचण्डी का आह्वान करना है और अपने को गुप्त रखते हुए उस अमरात्मा को शांति प्रदान करनी है। अतः जब तक बदला नहीं चुका दूंगा तब तक संयासी वेश में रहूंगा और जीवन पर्यन्त दुखों का ही वरण करते हुए इस गुरूतर कार्य को निभाऊंगा। अब तक मैं अपने लिए जीता रहा हूँ अब उसके और देश के लिए जिऊंगा।

प्रश्न 25. निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

बड़े न हूजे गुननि बिन, बिरद बड़ाई पाय।
कहत धतूरे सो कनक, गहनो गढौ न जाय।।
बुरो बुराई जो तजै, तौ चित खरौ डरातु।
ज्यों निकलंकु मयंकु लखि गनै लोग उतपातु।।

अथवा

टूट–टूक ह्वै है मन मुकुर हमारो हाय,
चूंकि हूँ कठोर बैन पाहन चलावौ ना।
एक मनमोहन तो बसिके उज़ारयो मोहि,
हिय में अनेक मनमोहन बसावौ ना।।

प्रश्न 18. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

ज्ञान राशि के संचित कोष का ही नाम साहित्य है। प्रत्येक भाषा का अपना साहित्य होता है। जिस भाषा का अपना साहित्य नहीं होता वह रूपवती भिखारणी के समान कदापि आदरणीय नहीं हो सकती, उसकी श्री सम्पन्नता उसके साहित्य में जो शक्ति छिपी रहती है वह तो तलवार और बम के गोलों में भी नही पायी जाती। साहित्य सर्वशक्तिमान होता है। अतः सक्षम होकर भी जो व्यक्ति ऐसे साहित्य की सेवा और अभिवृद्धि नहीं करता वह आत्महन्ता, समाजद्रोही और देशद्रोही है। साहित्य समाज का सर्वोत्तम फल है।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

प्रश्न 3. साहित्य किसे कहते है?

प्रश्न 27. परीक्षा अवधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लगाने हेतु जिलाधीश को शिकायती पत्र लिखिए।

अथवा

सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल का अंकसूची की द्वितीय प्रति मंगाने हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. (अ) निम्नांकित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. इंटरनेट : जीवन में आज की आवश्यकता।
2. साहित्य और समाज
3. अनुशासन का महत्व
4. भ्रष्टाचार : समस्या और निदान
5. वनों का महत्व

(ब) उपरोक्त शेष निबंधों में से किसी एक निबंध की रूपरेखा लिखिए।

– – – – – –

आदर्श उत्तर
विषय – हिन्दी विशिष्ट
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. दाम्पत्य।
2. चीड़।
3. दर्पण।
4. दो।
5. महावीर प्रसाद द्विवेदी।

प्रत्येक सही उत्तर लिखिने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन –

1. अलंकार।
2. ग्रीक भाषा।
3. कबीर।
4. जिसकी लाठी उसकी भैंस।
5. भय।

प्रत्येक सही उत्तर लिखिने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सत्य/असत्य छांटिये –

(1) सत्य।

(2) सत्य।

(3) असत्य।

(4) सत्य।

(5) असत्य।

प्रत्येक सही उत्तर लिखिने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सही जोडियां बनाइये–

क		**ख**
(1) साहित्य लहरी	–	सूरदास
(2) खेल	–	जैनेन्द्र कुमार
(3) गाय करूणा की कविता है	–	महात्मा गांधी
(4) रसात्मकं वाक्यं काव्यं	–	आचार्य विश्वनाथ
(5) ध्वन्यात्मक शब्दों द्वारा विचारों को प्रकट करने का माध्यम	–	भाषा

प्रत्येक सही उत्तर लिखिने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. 'आह! मेरा गोपालक देश यह कथन महादेवी वर्मा का है।
2. फूल मालिन को संबोधित कर रहा है।
3. घर के सदस्यों द्वारा विचारों के आदान प्रदान के लिए मातृभाषा का प्रयोग किया जाता है।
4. तात्या को पाड़ौन के जंगल में रखा गया था।
5. लाजवंत तुम सहज सुभाउ, निजगुन निज मुख कहसि न काउ – इस पंक्ति में व्याजनिंदा अलंकार है।

प्रत्येक सही उत्तर लिखिने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. छायावाद की परिभाषा :– डॉ. नगेन्द्र के अनुसार– स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह छायावाद है।

छायावादी कवि	–	**रचना**
जयशंकर प्रसाद	–	कामायनी, लहर
महादेवी वर्मा	–	नीरजा, रश्मि

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रगतिवाद की विशेषताएं :–

1. **शोषकों के प्रति घृणा और शोषितों के प्रति करूणा :–** पूंजीवादी व्यवस्था शोषण को जन्म देती है, सामाजिक विषमता उत्पन्न करती है इसलिए कवियों ने शोषकों के प्रति घृणा की भावना व्यक्त की है।
2. **यथार्थ चित्रण :–** प्रगतिवादी कवि कल्पना के स्थान पर यथार्थ को महत्व देते हैं। यथार्थ का चित्रण करना उनका प्रमुख ध्येय रहा है।

प्रगतिवादी कवि	**–**	**रचना**
श्री नागार्जुन	–	युगधारा, सतरंगे, पंखों वाली।
सुमित्रानंदन पंत	–	युगवाणी, ग्राम्या, पल्लव ग्रंथि आदि।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. भारतेंदु युगीन निबंधों की विशेषताएं –

1. **समाज सुधार की भावना :–** भारतेंदु जी के समय समाज में अनेक कुरीतियां थी। निबंधों के माध्यम से इस युग के लेखकों ने समाज सुधार की बात कही।
2. **राष्ट्रीयता व देश प्रेम :–** भारत की पराधीन अवस्था का वर्णन कर इस युग के लेखकों ने निबंधों के माध्यम से आत्म सम्मान एवं स्वाभिमान को जगाकर देश प्रेम का गुणगान किया।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

द्विवेदी युगीन रचनाकार–

1.	मैथिलीशरण गुप्त	–	साकेत
2.	माखनलाल चतुर्वेदी	–	हिम किरीटिनी

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. विभावरी अर्थात रात्रि के बीत जाने पर उषा रूपी स्त्री आकाश रूपी पनघट में तारे रूपी घड़ों को डुबो रही है। कवि ने (प्रभात) इस दृश्य का मनोहारी चित्रण किया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बसंत के आगमन पर लतारूपी वधू ने नवीन कोपल रूपी वस्त्र धारण कर लेती है। लताएं कलियों के भार से युक्त हो गई है। हवा धीरे–धीरे बहने लगी है और पृथ्वी का धान्यरूपी सुनहरा आंचल लहराने लगा।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. मीरा अपने स्वामी श्रीकृष्ण के लिए वैरागीन का वेश धारण करना चाहती है। इसके अतिरिक्त मीरा के प्रभु जिस वेश को धारण करने से प्रसन्न हो, वह उसी वेश को धारण करना चाहती है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रिय के अभाव में चातक की बोली ह्रदय को कष्ट पहुंचा रही है इसलिए कवि ने चातक को धातक कहकर संबोधित किया है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. कबीर ने शब्द की महिमा बताते हुए कहा है कि मनुष्य को शब्द सावधानी के साथ मुंह से निकालना चाहिए क्योंकि एक मधुर शब्द औषधि के समान लाभकारी होता है तो कटु शब्द ह्रदय में गहरा घाव कर देता है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

केवट ने श्रीराम की पगधूलि के प्रभाव को व्यक्त किया है। केवट के अनुसार राम की पगधूरि का प्रभाव ऐसा है कि उसके स्पर्श मात्र से शिला भी स्त्री रूप में परिवर्तित हो जाती है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. आचार्य रामचंन्द्र शुक्ल ने निबंध की परिभाषा इस प्रकार दी है – यदि गद्य कवियों या लेखकों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

हिन्दी के उपन्यास सम्राट का नाम प्रेमचन्द्र है।

दो उपन्यासों के नाम इस प्रकार है – गोदान, गबन आदि।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. **एकांकी और नाटक में अंतर :–**

क्र.	**एकांकी**	**नाटक**
1	एकांकी में एक ही अंक होता है।	नाटक में अनेक अंक होते है।
2	एकांकी में एक ही मुख्य कथा होती है।	नाटक में मुख्य कथा के साथ प्रासंगिक कथा भी होती है।
3	एकांकी का एक ही उद्देश्य होता है।	नाटक में कई उद्देश्य हो सकते है।
4	एकांकी में पात्रों की संख्या सीमित होती है।	नाटक में पात्रों की संख्या अधिक होती है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

संस्मरण और रेखाचित्र में अंतर :–

क्र.	**संस्मरण**	**रेखाचित्र**
1	संस्मरण लेखक के स्मृति पटल पर अंकित किसी विशिष्ट व्यक्ति के जीवन की घटनाओं का विवरण है।	रेखाचित्र किसी वस्तु या पात्र का आकर्षक ढंग से चित्रात्मक वर्णन है।
2	संस्मरण वास्तविक होता है।	रेखाचित्र काल्पनिक भी हो सकता है।
3	संस्मरण संक्षिप्त होता है।	रेखाचित्र विस्तृत होता है।
4	संस्मरण किसी महापुरूष या विशिष्ट घटना से संबंधित होता है।	रेखाचित्र किसी भी साधारण विषय पर लिखा जा सकता है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. सुरबाला ने भाड़ में धूएं का रास्ता एक सीक टेढ़ी करके उसमें गाड़कर बनाया था। कुटी बनाने के लिए भाड़ के सिर पर धीरे से चार चुटकी रेत छोड़कर बनाई थी।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गजाधर बाबू के स्वभाव की दो विशेषताएं –

1. स्नेही– गजाधर बाबू स्नेही स्वभाव के व्यक्ति थे तथा स्नेह की आकांक्षा रखते थे।
2. मनोविनोदी– गजाधर बाबू मनोविनोदी प्रकृति के व्यक्ति थे।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. लेखक के अनुसार गीता का मुख्य काम लोक हृदय के मोहावरण, ममत्व एवं आसक्ति को दूर करना है। गीता का जन्म स्वधर्म में बाधक जो मोह है उसके निवारण के लिए हुआ है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

उत्तराखण्ड के चार धाम इस प्रकार है –

1. बद्रीनाथ
2. केदारनाथ
3. गंगोत्री
4. यमुनोत्तरी।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. राष्ट्र भाषा की दो विशेषताएं –

1. राष्ट्र भाषा संपूर्ण राष्ट्र की संपर्क भाषा होती है।
2. राष्ट्रभाषा संविधान द्वारा मान्य होती है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

म.प्र. में बोली जाने वाली चार बोलियों के नाम एवं उनके क्षेत्र –

1. मालवी – इंदौर, उज्जैन, देवास।
2. निमाड़ी – खरगोन, बड़वानी, खंडवा।
3. बघेली – रीवा, सतना, शहडोल, सीधी।
4. बुन्देली – सागर, पन्ना, टीकमगढ़ छतरपुर।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. शांत रस का उदाहरण –

उदाहरण :– मन रे! परस हरि के चरण
सुभग शीतल कमल कोमल,
त्रिविध ज्वाला हरण।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विभावना अलंकार का उदाहरण –

''बिनु पद चलै, सुने विधि काना,
कर बिनु करम करै विधि नाना,
आनन रहित सकल रस भोगी,
बिनु बानी बकता बड़ जोगी।

उपरोक्त सही उत्तर पर 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. डॉ. रामकुमार वर्मा की माँ एक सुशिक्षित एवं सुसंस्कृत महिला थीं। वे अपने बच्चों में भी शिक्षा के उच्च संस्कार प्रदान करना चाहती थी। यह उन्हीं के मार्गदर्शन और सीख का फल था कि डॉ. रामकुमार वर्मा कभी अनुत्तीर्ण नहीं हुए, बल्कि वे सदैव ''डिवीजन'' में उत्तीर्ण होते रहे। पढ़ाई के संबंध में उनकी माँ ने उनसे कहा था कि पढ़ाई में उन्हें पहले दर्जे का ध्यान रखना है अपने लक्ष्य के प्रति उसी एकाग्रता और समर्पण के साथ उन्हें सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए जिस प्रकार महाभारत काल में अर्जुन ने चिड़िया की केवल आंख पर अपना ध्यान रखा था।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गौरा के आ जाने से ग्वाले की कमाई कम होने लगी। लेखिका गौरा के दूध को आसपास के लोगों में बांट देती थी और लोगों ने ग्वाले से दूध लेना बंद कर दिया परिणामतः ग्वाले ने अवसर मिलते ही गुड़ में सुई लपेटकर गाय को खिला दी।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. कवित्त छंद की परिभाषा – यह वर्णित छंद है। इसक प्रत्येक चरण में 16 एवं 15 के विराम से 31 वर्ण होते है। हर चरण का अंतिम वर्ण गुरू होता है।

उदाहरण –

ऊंचे छोर मंदर के अंदर रहनवारी,
ऊंचे छोर मंदर के अंदर रहती है,
कंद मूल भोग करै, कंद मूल भोग करै,
तीन बेर खाती, थी वे तीन बेर खाती है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

छप्पय छन्द विषम मात्रिक और संयुक्त छन्द है। इसमें छः चरण होते है प्रथम चार चरण महाकाव्य और खण्डकाव्य में अंतर –

1. महाकाव्य में संपूर्ण जीवन का चित्रण होता है। जबकि खण्ड काव्य में खण्ड जीवन का चित्रण होता है।
2. महाकाव्य का आकार दीर्घ होता है परंतु खण्ड काव्य का आकार लघु होता है।
3. महाकाव्य में उदात्त शिल्प होता है, परंतु खण्डकाव्य में उदात्त होना अनिवार्य नहीं है।

उपरोक्त सही उत्तर पर 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. मुहावरों का अर्थ :–

1. आसमान सिर पर उठाना – बहुत अधिक शोर।
   प्रयोग– कक्षा में शिक्षक के न पहुंचने पर बच्चों ने आसमान सिर पर उठा लिया।
2. अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना – स्वयं की हानि करना।
   प्रयोग– रश्मि ने पढ़ाई अधूरी छोड़कर अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली।
3. कान में तेल डालना – अनसुनी करना।
   प्रयोग– समस्याओं के समाधान के समय नेताजी कान में तेल डाल कर बैठ जाते है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन –

1. जो व्यक्ति आलसी होता है वह उन्नति नहीं कर सकता।
2. क्या सत्य की सदा जीत होती है?
3. मैंने मोहन का मकान खरीदा।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. महत्ता कविता में गुप्त जी ने भारतवर्ष की निम्नलिखित विशेषताओं का उल्लेख किया है –

1. भारतीय सभ्यता और संस्कृति सबसे प्राचीन एवं गौरवशाली है।
2. ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में भारत सदा अग्रणी रहा है।
3. भारत ने ही विश्व को धर्म और आध्यात्मा की शिक्षा दी है।
4. भारत ने सदा से अपने हित की चिन्ता किये बिना दूसरों (अन्य देशों) की मददत की।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

श्रीकृष्ण ने माता यशोदा से बलदाऊ की निम्न लिखित शिकायतें की –

1. बलदाऊ बहुत बुरे है। वे मुझे चिढ़ाते है।
2. बलदाऊ कहते है तुम्हे माता यशोदा ने जन्म नहीं दिया वरन मोल देकर खरीदा है।
3. बलदाऊ कहते है नंद और यशोदा गोरे है किन्तु तुम कैसे काले हो गए।
4. बलदाऊ सभी ग्वालों को सिखा देते है जिससे वे भी मुझे ताली बजाकर चिढ़ाते है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. मानसिंह के चरित्र की निम्नलिखित विशेषताएं हमें प्रभावित करती है –

1. सच्चा मित्र – मानसिंह तात्या टोपे का सच्चा मित्र है। मित्र की रक्षा को अपना पुनीत कर्तव्य समझता है।
2. साहसी – मानसिंह साहसी है। वह अंग्रेजों से बिलकुल नहीं डरता। साहस के साथ अंग्रेजो को उत्तर देता है।
3. वीरों का सम्मान करने वाला – मानसिंह स्वयं वीर है और वीरों का सम्मान करने वाला है।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बुद्ध को अपने सामने देखकर तथा अपनी उस मूक साधना और आत्मा के लंबे विरह प्रणय को यों सफल होते देखकर यशोधरा सारी सुध बुध खो बैठी। उनका युग–युग का शेष मान और रूठना एक बारगी विलीन हो गया। वर्षों से सोचे अपने सारे उलाहने भूलकर वह आत्मविभोर हो गई। बुद्ध के दर्शनों के बाद उसकी सारी वेदना नष्ट हो गई। वह प्रिय के चरणों में सिर रखकर रो पड़ी।

उपरोक्तानुसार उत्तर लिखने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. लेखक परिचय – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

1. **रचनाएं :–** हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी काव्य में रहस्यवाद, रस मीमांस, चिन्तामणि, बुद्ध चरित।
2. **भाषा :–** साहित्यिक दृष्टि से आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की भाषा अत्यंत परिष्कृत एवं संस्कृतनिष्ठ है। उर्दू, फारसी के शब्दों का स्वाभाविक प्रयोग हुआ है। मुहावरों, लोकोक्तियों के प्रयोग आपकी अभिव्यक्ति को और अधिक प्रभावी बना देते है।
3. **शैली :–** शुक्ल जी अपनी शैली के स्वयं निर्माता है। उनकी शैली समास से प्रारंभ होकर व्यास शैली के रूप में समाप्त होती है। मुख्य रूप से आपने समीक्षात्मक, गवेषणात्मक, भावात्मक व व्यंग्य प्रधान शैली का प्रयोग किया है।
4. **साहित्य में स्थान –** उच्चकोटि के निबंधकार और हिन्दी साहित्य के इतिहासकार के रूप में आचार्य शुक्ल जी का स्थान सर्वश्रेष्ठ है।

(1+1+1+1=4 अंक)

अथवा

लेखक परिचय – राम नारायण उपाध्याय

1. **रचनाएं :–** कुंकुम–कलश, जनम–जनम के फेरे।
2. **भाषा :–** राम नारायण उपाध्याय जी की भाषा खड़ी बोली है। प्रवाहमयता और संप्रेषणीयता आपकी भाषा की विशेषताएं है। आंचलिक शब्दों के प्रयोग से भाषा मधुर हो गई है। भाषा प्रवाहमय तथा बोधगम्य है।
3. **शैली :–** उपाध्याय जी प्रमुख रूप से ललित निबंधकार है। उनकी शैली में विविधता है। उन्होंने विविध शैलियों का प्रयोग कर अपने साहित्य के कलेवर को सजाया है। उनके निबंधों में प्रयुक्त शैलियों में आत्मपरक शैली, वर्णनात्मक शैली, सूत्रात्मक शैली, भावात्मक शैली, व्यास शैली तथा व्यंग्य शैली प्रमुख है।

4. **साहित्य में स्थान :–** निमाड़ी साहित्य के लोक मर्मज्ञ पण्डित एवं सरल शैली में ललित निबंधकार के रूप में विख्यात उपाध्यायजी का हिन्दी साहित्य में उत्कृष्ट योगदान है।

(1+1+1+1=4 अंक)

उत्तर 23. कवि परिचय – **केशव दास**

1. **रचनाएं :–** रामचंद्रिका, कवि प्रिया।
2. **भाव पक्ष :–** केशवदास रीतिकालीन काव्य के शीर्षस्थ कवि है। केशव दरबारी कवि थे। नैतिक मूल्यों की रक्षा हेतु उनकी कविता में नीति तत्व की प्रधानता मिलती है। वे नीति निपुण कवि थे। केशव जी ने शास्त्रीय पद्धति को हिन्दी में व्यवस्थित रूप से प्रतिष्ठित किया शास्त्रीयता के साथ उनका काव्य अर्थगाभीर्य से युक्त है।
3. **कला पक्ष :–** केशव जी ने अपने काव्य में ब्रज भाषा का प्रयोग किया है। प्रबंध एवं युक्तक शैली का प्रयोग किया है। आलंकारिक शैली का श्रृंगार, रूपक, उपमा, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति आदि अलंकारों से हुआ है। केशव जी लक्षण ग्रंथों के निर्माता थे अतः नये प्रयोगों के साथ दोहा, कविन्त, सवैया, चौपाई, सोरठा आदि का प्रयोग किया है।
4. **साहित्य में स्थान :–** रीतिबद्ध एवं प्रकाण्ड आचार्य के रूप में प्रतिष्ठित केशवदासजी का हिन्दी काव्य में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त है।

(1+1+1+1=4 अंक)

अथवा

कवि परिचय – **जयशंकर प्रसाद**

1. **रचनाएंः–** आंसू, लहर, झरना, कामायनी।
2. **भाव पक्षः–** प्रसादजी प्रेम और सौन्दर्य के कवि है। उनका काव्य अनुभूति प्रधान है। आपकी रचनाओं में प्रेम, सौन्दर्य और करूणा की त्रिवेणी प्रवाहित होती है।

3. **कला पक्षः–** प्रसादजी का कला पक्ष भावपक्ष की अपेक्षा प्रौढ़ है। आपने संस्कृत गर्भित भाषा का प्रयोग किया है। आपकी रचनाओं में एक–एक शब्द रत्नों की तरह जड़ा हुआ है। भाषा में एक रसता विद्मान है। प्रसाद जी की कविताएं छंद बद्ध और छंद युक्त दोनों ही प्रकार की है।
4. **साहित्य में स्थान** :– छायावाद के आधार स्तम्भ तथा प्रसिद्ध नाटककार के रूप में विख्यात आपने अपनी लेखनी से हिन्दी साहित्य को समृद्ध किया।

(1+1+1+1=4 अंक)

उत्तर 24. गद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक स्वाति के निबंध तिमिर गेह में किरण आचरण से लिया गया है। इसके लेखक डॉ. श्यामसुंदर दुबे है।

प्रसंगः– प्रस्तुत अंश में लेखक ने अपने घर में अकेले अंधेरे में खड़ेहोने पर पिता की बात को याद किया है।

व्याख्याः– लेखक के पिता ने कहा था संसार में रहकर सुखों की प्राप्ति करना कोई सरल काम नहीं है। श्रम और ईमानदारी ही प्राणी में काम करने की शक्ति देते है। जीवन में चाहे कितनी भी विपत्तियां आएं परंतु मनुष्य को अपने कर्म, मेहनत, सत्य पर आस्थावान रहना चाहिए। इससे वह स्वयं ही विकास नहीं करता बल्कि उसके संपर्क में जो व्यक्ति आता है उसे भी सुख देता है और कर्मठ बनने की प्रेरणा देता है।

विशेषः– कर्म एवं ईमानदारी के महत्व को बताया है। व्यास एवं उद्धरण शैली का प्रयोग।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

अथवा

गद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक स्वाति के तात्या टोपे नामक पाठ से लिया गया है इसके लेखक डॉ. सुरेश शुक्ल चंद्र है।

प्रसंगः– प्रस्तुत अंश में तात्या टोपे अपने मित्र मानसिंह से बलिदानी व्यक्ति का बदला लेने एवं देश को आजाद कराने का संकल्प ले रहे है।

व्याख्याः– तात्या भगवान से प्रार्थना करते हुए कहते है कि हे भगवान! उन्हें उस बलिदानी युवक, जो तात्या के रूप में फांसी पर चढ़ गया था उसके खून का बदला लेने की शक्ति प्रदान करें। इस महान कार्य को करने के लिए वे सन्यासी के रूप में जीवन भर रहने का प्रण करते हे। वे सच्चे देशभक्त और वीर के रूप में संकल्प करतेहै कि अभी तक वे अपने लिए जीवित रहे परंतु अब उस देशभक्त बलिदानी युवक का बदला लेने तथा देश की सेवा के लिए जीवित रहेंगे।

विशेषः– संस्कृत निष्ठ ओजपूर्ण खड़ी बोली का प्रयोग है। तात्या टोपे की देशभक्ति एवं भावुकता का चित्रण है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

उत्तर 25. पद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत पद्यांश स्वाति की कविता दोहे से अवतरित है। इसके कवि बिहारी है।

प्रसंग :– प्रस्तुत अंश में कवि ने गुणों के महत्व एवं बुरे मनुष्यों के प्रति लोगों की धारणा के बारे में बताया गया है।

व्याख्या :– कवि कहतेहै कि बिना गुणों के सिर्फ नाम का यश प्राप्त करके कोई बड़ा नहीं बन जाता। जैसे धतूरे को कनक भी कहते है लेकिन उससे गहना नहीं गढ़ा जा सकता। दुर्जन यदि अपनी दुर्जनता का परित्याग कर देता है तब भी सज्जन पुरूष उसे शंका की दृष्टि से देखकर भयभीत रहतेहै। जिस प्रकार निष्कलंक चंद्रमा को देखकर लोग किसी उत्पातकी आशंका से ग्रस्त रहते है।

विशेष :– दोहा छंद में प्रसिद्ध उक्ति का निरूपण। अनुप्रास अलंकार का प्रयोग।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

अथवा

संदर्भः– प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक स्वाति के उद्धव प्रसंग नामक कविता से लिया गया है इसके कवि जगन्नाथ दास रत्नाकर है।

प्रसंगः– प्रस्तुत अंश में गोपियों द्वारा उद्धव को उलाहना देने का चित्रण है।

व्याख्याः– गोपियों ने उद्धव से निवेदन किया कि हमारा मन रूपी दर्पण टुकड़े–टुकड़े हो जाएगा इसलिए भूलकर भी कठोर वचन रूपी पत्थर मत चलाइए। एक मनमोहन ने हमारे मन में बस कर विरह का दुख भोगने के लिए छोड़ दिया है। यदि तुमने हमारे मन रूपी दर्पण को तोड़ दिया तो उसके टुकड़ों में अनेक कृष्ण दिखाई देंगे फिर हमारे मन की क्या दशा होगी?

विशेषः– मुहावरों का सार्थक प्रयोग है। व्यंग्यात्मक शैली एवं ब्रज भाषा का प्रयोग। पुनरूक्ति प्रकाश, रूपक अलंकार एवं वियोग श्रृंगार का वर्णन।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

उत्तर 26. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. शीर्षक – साहित्य।

उत्तर 2. सारांश – वह भाषा सर्वोत्तम एवं आदर्श मानी जाती है। जिसका स्वयं का साहित्य होता है। तोप, तलवार तथा बम भी साहित्य की शक्ति के सामने तुच्छ है। साहित्य सर्वशक्तिमान होता है। अतः साहित्य में समाज के लिए संजीवनी होती है।

उत्तर 3. ज्ञान राशि के संचित कोष का नाम साहित्य है।

(1+3+1 कुल 5 अंक)

उत्तर 27. **<u>ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रोक लगाने हेतु आवेदन पत्र</u>**

प्रति,

जिलाधीश,
जिला जबलपुर (म.प्र.)

विषयः– ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लगाने हेतु।

महोदय

मैं आपका ध्यान आधारताल कॉलोनी जबलपुर में ध्वनि विस्तारक यंत्रों की तीव्र ध्वनि से उत्पन्न समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। इस समय माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाईस्कूल तथा हायर सेकेण्डरी की परीक्षाएं प्रारंभ होने को है।

अतः आपसे विनम्र प्रार्थना है कि छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए परीक्षा अवधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लगाने का कष्ट करें।

धन्यवाद।

भवदीय

दिनांक

छात्रगण
शा.उ.मा.वि. आधारताल जबलपुर

संबोधन–1 अंक, विषय 1 अंक, विषयवस्तु 2 अंक, प्रेषक– 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रति,
सचिव,
माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
भोपाल (म.प्र.)

विषयः– अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने हेतु।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि मैंने कक्षा दसवीं की परीक्षा सन् 2009 में उत्तीर्ण की थी किन्तु मेरी अंकसूची खो गई है। कृपया मुझे अंकसूची की द्वितीय प्रति

भेजने का कष्ट करें। इसके लिए निर्धारित शुल्क बैंक ड्राफ्ट क्र. 52051 आपके नाम भेज रहा हूँ।

मुझसे संबंधित जानकारी इस प्रकार है :–

1. नाम – अंकित दुबे
2. पिता का नाम – श्री सतीश दुबे
3. परीक्षा – कक्षा दसवीं (2009)
4. परीक्षा केन्द्र – शा.उ.मा.वि., बरगीनगर
5. परीक्षा केन्द्र क्र. – 711068
6. अनुक्रमांक – 2010178
7. नियमित/स्वाध्यायी– नियमित
8. पूरा पता – अंकित दुबे पिता श्री सतीश दुबे
   एच–108, बरगीनगर, जबपलुर (म.प्र.)
9. संलग्न– बैंक ड्राफ्ट।

आवेदक

दिनांक अंकित दुबे

संबोधन–1 अंक, विषय 1 अंक, विषयवस्तु 2 अंक, प्रेषक– 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. (अ) निबंध–

<u>इंटरनेट–आज के जीवन की आवश्यकता</u>

इन्टरनेट का बढ़ता प्रयोग, नई खुशियों का पैगाम लाये।
सुख, समृद्धि, वैभव देश को बुलन्दियों के शिखरों तक पहुचाये।।

प्रस्तावना :– कम्प्यूटर एक यांत्रिक मस्तिष्क का रूपात्मक योग है तथा इंटरनेट कम्प्यूटर का एक अंग है। समाज में आज कोई भी इससे अछूता नहीं है। आज

छात्र इन्टरनेट का उपयोग कर वांछित जानकारी प्राप्त कर अपना ज्ञानवर्द्धन कर रहे हैं। आज इसकी उपयोगिता दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। आज देश के अनेक क्षेत्रों में जैसे– बैंक, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा एवं दूरसंचार के साधनों आदि में भी इसका प्रयोग कुशलता से किया जा रहा है।

इन्टरनेट का इतिहास :– इंटरनेट एवं आधुनिक कम्प्यूटर नेटवर्किंग टेक्नोलॉजी का प्रारंभ 1970 के दशक में हुआ। सन् 1969 में अमेरिका के रक्षा विभाग की संस्था ''डिफेन्स एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी'' ने सबसे पहला वाईड एरिया नेटवर्क बनाया। जिसका नाम था–ARPANET. प्रारंभ में इसके द्वारा अमेरिका के रक्षा विभाग के विभिन्न कार्यालयों को जोड़ा गया बाद में विश्वविद्यालयों तथा NATO देशों को जोड़ा गया। आज हम जिस इन्टरनेट का उपयोग कर रहे है वह इसी का पूर्ण विकसित रूप है।

इंटरनेट क्या है?– जिसका उपयोग आज सर्वाधिक हो रहा है वास्तव में उसकी जानकारी होनी आवश्यक है। सरल शब्दों में कहा जाए तो इन्टरनेट संसार में फैले कम्प्यूटरों का नेटवर्क है जिसके माध्यम से संसार की प्रत्येक जानकारी को पलभर में प्राप्त किया जा सकता है। इंटरनेट न कोई साफ्टवेयर है न कोई प्रोग्राम वरन यह ऐसी युक्ति है जहां विभिन्न जानकारियां एक उपकरण के माध्यम से मिल जाती है। इसके माध्यम से मिलने वाली जानकारी में संसार के व्यक्तियों तथा संगठनों का सहयोग रहता है।

इंटरनेट का प्रयोग :– आज इंटरनेट का प्रयोग विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है। कुछ प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार है :–

1. **शिक्षा के क्षेत्र में :–** शिक्षा के क्षेत्र में इंटरनेट के माध्यम से विभिन्न विषयों से सम्बद्ध जानकारी सहज ही प्राप्त की जा सकती है। विषय विशेषज्ञों की

राय ली जा सकती है। परीक्षा परिणाम भी आज शीघ्र ही प्राप्त किये जा सकते है।

2. **मनोरंजन के क्षेत्र में :–** मनोरंजन के क्षेत्र में इंटरनेट के द्वारा क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। इसके माध्यम से मनपंसद संगीत का आनंद ले सकते है। नई फिल्मों की जानकारी तथा संगीत के विभिन्न पक्षों की सूक्ष्म जानकारी तथा आनंद लिया जा सकता है। तनावभरे जीवन में इंटरनेट राहत का पल है।

3. **कला के क्षेत्र में :–** आज इंटरनेट के माध्यम से कलाकार बना जा सकता है। इसके लिए जन्मजात कलाकार होना आवश्यक नहीं है। इंटरनेट के द्वारा व्यक्ति स्क्रीन पर चित्र बनाता है और प्रिंटर के माध्यम से बिना रंग और तूलिका का प्रयोग किये बिना सुंदर रंगीन चित्र प्राप्त किया जा सकता है।

4. **पुस्तकों के क्षेत्र में :–** पुस्तकों तथा समाचार पत्रों के प्रकाशन में भी इंटरनेट का अपूर्व योगदान है। यदि समाचार पत्र समय पर न मिले तब भी पलक झपकते ही किसी भी समाचार पत्र को इंटरनेट पर पढ़ा जा सकता है। देश ही नहीं विश्व भर के साहित्यकारों की रचनाओं का आनंद इंटरनेट पर प्राप्त होता है। साहित्य में रूचि रखने वाले इंटरनेट के माध्यम से अपनी रचनाओं का प्रकाशन कर सकते है।

5. **वैज्ञानिक क्षेत्र में :–** विज्ञान भी इंटरनेट से जुड़ा हुआ है। अंतरिक्ष तथा अनेक वैज्ञानिक खोजों की सटीक तथा तथ्यपरक जानकारी इंटरनेट प्रदान करता है।

6. **चिकित्सा के क्षेत्र में :–** चिकित्सा संबंधी विभिन्न जानकारियां इंटरनेट से प्राप्त की जा रही है। चिकित्सा सुविधाओं से वंचित ग्रामीण क्षेत्रों में भी इंटरनेट के माध्यम से चिकित्सकों को सुविधा एवं मार्ग दर्शन दिया जा रहा है। आज आम इंसान भी विभिन्न रोगों और उपचार केन्द्रों की जानकारी इंटरनेट से प्राप्त कर लेता है।
7. **कृषि क्षेत्र में :–** भारत कृषि प्रधान देश है। आधुनिक युग का किसान इंटरनेट के माध्यम से कृषि की उन्नत तथा नयी तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर रहा है। आज किसान घर बैठे ही उन्नत कृषि के गुर सीख रहे है।

8. **बैंकिंग के क्षेत्र में :–** भारतीय बैंकों में खातों के संचालन में इंटरनेट का उपयोग हो रहा है। आम व्यक्ति भी बैंक संबंधी विभिन्न कार्यों के लिए इंटरनेट का प्रयोग करके समय की बचत कर रहा है।

इन क्षेत्रों के अतिरिक्त डिजाइनिंग, संचार, संगीत आदि में भी इंटरनेट का प्रयोग हो रहा है।

इंटरनेट के लाभ :–

1. समय की बचत होती है।
2. एक स्थान पर बैठकर अनेक स्थानों से संबंधित जानकारी प्राप्त होती है।
3. तथ्यपरक जानकारी प्राप्त होती है।
4. इंटरनेट सरल तथा सुलभ माध्यम है जिससे हम अनेक क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त करते है।

इंटरनेट से हानि :–

1. इंटरनेट पर अश्लील वेबसाइट के कारण समाज में नैतिकता का संकट उत्पन्न हो गया है।

2. इंटरनेट का अत्यधिक प्रयोग करने के कारण मनुष्य स्वविवेक एवं बुद्धि का प्रयोग कम कर रहा है।
3. इंटरनेट के अधिक उपयोग से स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।

उपसंहार :– इंटरनेट के अधिकाधिक प्रयोग ने सिद्ध कर दिया है कि यह नव चमत्कार के रूप में मान्य कर लिया गया है। किन्तु यह भी सर्वमान्य तथ्य है कि प्रत्येक वस्तु के श्वेत श्याम पक्ष होते है। सदुपयोग करने वालों के लिए जहां इंटरनेट अनूठी सुविधा की खान है वहीं इंटरनेट का दुरूपयोग करने वालों ने असुविधाओं के श्याम पक्ष को हमारे समक्ष प्रस्तुत किया है। अतः आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इंटरनेट की उपयोगिता पहचानें तथा स्वयं अपनी, समाज की तथा देश की उन्नति के कारक बनें।

7 अंक

(ब) रूपरेखा–

वनों का महत्व

1. प्रस्तावना।
2. प्राचीन संस्कृति में वृक्षों का महत्व।
3. वृक्षों की उपासना का प्रचलन।
4. वृक्षों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ।
5. वृक्षों की कटाई से उत्पन्न समस्याएं एवं समाधान।
6. उपसंहार

3 अंक

निर्देशः– निबंध लिखते समय एवं रूपरेखा लिखते समय क्रमबद्धता भूमिका, विवेचना या वर्णन एवं उपसंहार अर्थात मुख्य भाव आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

– – – – –